भारत और मॉरीशस के बीच दिल और भावनाओं का रिश्ता है- लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2015: माननीय लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज संसद भवन में मॉरीशस की माननीय स्पीकर श्रीमती शांति बाई (माया) हनूमानजी से मुलाकात की।

इस अवसर पर, श्रीमती महाजन ने मॉरीशस में नई नेशनल असेम्बली के गठन और उनके स्पीकर जैसे उच्च पद पर निर्वाचन के लिए श्रीमती हनूमानजी को बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि आज मॉरीशस की स्थिति अत्यधिक अभूतपूर्व है जहां संभवतः किसी भी देश के इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और स्पीकर महिलाएं हैं।

यह टिप्पणी करते हुए कि दोनों देशों के बीच स्वस्थ संसदीय आदान-प्रदान की परंपरा है, श्रीमती महाजन ने आशा व्यक्त की कि भारत और मॉरीशस के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्री संबंध और मजबूत होंगे । उनका विचार था कि मॉरीशस जो भारतीय उपमहाद्वीप का एक जीवंत और स्थायी लोकतंत्र है जिसका उल्लेख प्रायः अफ्रीका के आदर्श लोकतंत्र के रूप में किया जाता है, भारत के लिए विशेष महत्व रखता है । वस्तुतः, भारत और मॉरीशस के बीच दिल और भावनाओं का रिश्ता है।

भारत और मॉरीशस के बीच व्यापारिक समझौतों का उल्लेख करते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते निरंतर बढ़ रहे हैं और इन समझौतों को और बढ़ाने की आवश्यकता है ।

श्रीमती महाजन ने यह भी उल्लेख किया कि मॉरीशस के सांसद भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित युवा अफ्रीका सांसद कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं । इसके अतिरिक्त लोक सभा सचिवालय के संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो ने मॉरीशस की संसदीय लेखा समिति के लिए विशेष रूप से बनाए गए प्रशिक्षण माडय़ूल का भी आयोजन किया। इस तथ्य को नोट करते हुए कि मॉरीशस के शिष्टमंडल के वर्तमान दौरे का उद्देश्य संसदीय कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण करने के बारे में प्राथमिक जानकारी एकत्र करना है, उन्होंने कहा कि भारत इस बारे में जानकारी और ज्ञान साझा करके प्रसन्न है।

प्रत्युत्तर में मॉरीशस की माननीय अध्यक्ष, श्रीमती शांति बाई (माया) हनूमानजी ने अपने शिष्टमंडल के उत्कृष्ट अतिथि-सत्कार के लिए लोक सभा अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। इस बात पर टिप्पणी करते हुए भारत और मॉरीशस के संबंध बहुत पुराने और समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं, उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों देशों के बीच बहु-आयामी संबंध आगे और प्रगाढ़ होंगे।